अध्याय 1

केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों का वित्तीय निष्पादन

1.1 प्रस्तावना

इस प्रतिवेदन में सरकारी कम्पनियों, सांविधिक निगमों और मानी गई सरकारी कम्पनियों के वित्तीय निष्पादन प्रस्तुत किए गए हैं। शब्द केन्द्रीय सरकारी सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम (सीपीएसई) में कम्पनी के अधिनियम, 1956 के अन्तर्गत गठित सरकारी स्वामित्व कम्पनियाँ और संसद की संविधियों के अन्तर्गत गठित सांविधिक निगम सम्मिलित हैं जिनकी लेखापरीक्षा भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक (सीएजी) को सौंपी गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 617 में एक **सरकारी कम्पनी** की परिभाषा ऐसी कम्पनी के रूप में दी गयी है जिसमें प्रदत्त शेयर पूंजी का कम से कम इक्यावन प्रतिशत केन्द्रीय सरकार, अथवा किसी राज्य सरकार या सरकारों, आंशिक रूप से केन्द्रीय सरकार द्वारा तथा आंशिक रूप से एक या अधिक राज्य सरकारों द्वारा धारित हो और इसमें वह कम्पनी भी शामिल है जो इस प्रकार से परिभाषित कम्पनी की सहायक हो। इसके अतिरिक्त, कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 619 बी के अन्तर्गत आने वाली कम्पनियां भी इस प्रतिवेदन में **मानी गई सरकारी कम्पनियों** के रूप में संदर्भित की गई हैं। इसके अतिरिक्त, भारत सरकार संसद के विशेष नियमों के अधीन निगमों की स्थापना करती है जिन्हें **सांविधिक निगमों** के रूप में संदर्भित किया गया है।

सरकारी कम्पनियां

जिसमें प्रदत्त शेयर पूंजी का कम से कम 51 प्रतिशत केन्द्रीय सरकार, अथवा किसी राज्य सरकार या सरकारों, आंशिक रूप से केन्द्रीय सरकार द्वारा तथा आंशिक रूप से एक या अधिक राज्य सरकारों द्वारा धारित हो और इसमें वह कम्पनी भी शामिल है जो इस प्रकार से परिभाषित कम्पनी की सहायक हो।

1.1.1 अधिदेश

सरकारी कम्पनियों और मानी गई सरकारी कम्पनियों की लेखापरीक्षा सीएजी के (कर्त्तव्य, शक्तियां तथा सेवा की शर्तें) अधिनियम, 1971 की धारा 19 के साथ पठित कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 619 के प्रावधानों तथा उनके अधीन बनाए गए विनियमों के अन्तर्गत भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक (सीएजी) द्वारा की जाती है। कम्पनी अधिनियम, 1956 के अन्तर्गत सीएजी कम्पनियों के लिए लेखापरीक्षकों के रूप में सनदी लेखाकार (सांविधिक लेखापरीक्षक) की नियुक्त करता है और अनुपूरक लेखापरीक्षा करने के अतिरिक्त वे निर्देश देता है जिनके अनुसार लेखापरीक्षा की जाती है। कुछ सांविधिक निगमों को अधिशासित करने वाली संविधियों में उनके लेखाओं की सीएजी द्वारा लेखापरीक्षा की अपेक्षा की गई है।

भारतीय रिज़र्व बैंक, भारतीय निर्यात-आयात बैंक, राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक तथा राष्ट्रीय आवास बैंक को अधिशासित करने वाले अधिनियमों में वे प्रावधान निहित हैं जिनके द्वारा केन्द्र

सरकार इन निगमों के लेखाओं की जांच करने और उन पर रिपोर्ट करने के लिए किसी भी समय सीएजी को लेखापरीक्षक के रूप में नियुक्त कर सकती है। 2011-2012 के दौरान ऐसी कोई नियुक्ति नहीं की गई थी।

1.1.2 इस प्रतिवेदन में क्या है

इस प्रतिवेदन में सरकारी कम्पनियों और निगमों द्वारा वित्तीय रिपोर्टिंग की गुणवत्ता तथा कम्पनियों तथा निगमों के लेखाओं से प्रकट उनके निष्पादन के मूल्यांकन की समग्र स्थिति को दर्शाया गया है। लेखाओं के संशोधन तथा वर्ष 2011-12 (अथवा पिछले वर्षों जिन्हें चालू वर्ष के दौरान अन्तिम रूप दिया गया हो) के लिए सीएजी द्वारा की गई केन्द्र सरकारी कम्पनियों की वित्तीय विवरणियों की अनुपूरक लेखापरीक्षा के परिणामस्वरूप की गई महत्वपूर्ण टिप्पणियों, तथा सीपीएसईज़ की वित्तीय विवरणियों का प्रमाणीकरण करते समय सांविधिक लेखापरीक्षा द्वारा सूचित महत्वपूर्ण निष्कर्षों का प्रभाव इस प्रतिवेदन में दिया गया है। जहां सीएजी ही एकमात्र लेखापरीक्षक है, वहां इस प्रतिवेदन में सांविधिक निगमों की वित्तीय विवरणियों पर सीएजी द्वारा जारी टिप्पणियों का प्रभाव भी निहित है। इसके अतिरिक्त, इस प्रतिवेदन में कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 619(3) (क) अन्तर्गत सीएजी द्वारा उन्हें जारी निदेशों के अनुपालन में सांविधिक लेखापरीक्षकों द्वारा प्रस्तुत रिपोर्टों का सार भी दिया गया है।

प्रतिवेदन में कारपोरेट अभिशासन, कारपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व आदि पर सार्वजनिक उद्यम विभाग (डीपीई) द्वारा जारी दिशानिर्देशों के सीपीएसईज़ द्वारा पालन का भी वर्णन किया गया है।

1.1.3 सीपीएसईज़ और मानी गई सरकारी कम्पनियों की संख्या

31 मार्च 2012 को, भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक के लेखापरीक्षा के क्षेत्राधिकार के अन्तर्गत 481 सीपीएसईज और मानी गई सरकारी कम्पनियाँ थी। इनमें 338 सरकारी कम्पनियां, 6 सांविधिक निगम और 137 मानी गई सरकारी कम्पनियां शामिल थी। इस प्रतिवेदन में समग्र कवरेज तथा इन सीपीएसईज़ का स्वरूप निम्निलिखित तालिका में दर्शाया गया है:

- **सरकारी कम्पनियाँ 338**
- **मानी गई सरकारी कम्पनियां 137**
- **सांविधिक निगम 6**
- **कुल सीपीएसईज़ 481**

सीपीएसई का स्परूप	सीपीएसईज की कुल संख्या	प्रतिवेदन में शामिल सीपीएसईज की संख्या				प्रतिवेदन में शामिल न की गई सीपीएसईज़ की संख्या
		नवीनतम आंकड़े 2011-12	पहले के आंकड़े		जोड़	
			2010-11	2009-10		
सरकारी कम्पनियां	338	278	16	3	297	41
सांविधिक निगम	6	6	-	-	6	-
कुल कम्पनियां/निगम	344	284	16	3	303	41
मानी गई सरकारी कम्पनियां	137	115	2	2	119	18
जोड़	**481**	**399**	**18**	**5**	**422**	**59**

नई/बन्द सरकारी कम्पनियों/मानी गई सरकारी कम्पनियों के विवरण **परिशिष्ट I** में दिए गए हैं।

तथापि, इस प्रतिवेदन में 59 कम्पनियों (18 मानी गई सरकारी कम्पनियों सहित) जिनके लेखे तीन वर्षों या उससे अधिक के लिए बकाया में थे अथवा समाप्त/परिसमापन के अन्तर्गत थे अथवा पहले लेखे प्राप्त नहीं हुए थे अथवा पहले लेखे देय नहीं थे, को शामिल नहीं किया गया है। इन कम्पनियों को दो सितारों (**) के द्वारा **परिशिष्ट II** में दर्शाया गया है।

सीपीएसईज़ का आशुचित्र
(सरकारी कम्पनियाँ और सांविधिक निगम)

सीपीएसईज़ की संख्या	344
इस अध्याय में शामिल सीपीएसईज़	303
प्रदत्त पूंजी (303 सीपीएसईज़)	₹ 2,53,519 करोड़
दीर्घकालिन कर्ज़े (303 सीपीएसईज़)	₹ 6,27,368 करोड़
बाज़ार पूंजीकरण (44 सूचीबद्ध सरकारी कम्पनियां)	₹ 12,56,013 करोड़
निवल लाभ (191 सीपीएसईज़)	₹ 1,27,021 करोड़
निवल हानि (96 सीपीएसईज़)	₹ 30,307 करोड़
घोषित लाभांश (112 सीपीएसईज़)	₹ 42,671 करोड़
उत्पादन का मूल्य (303 सीपीएसईज़)	₹ 12,30,126 करोड़
कुल परिसम्पत्तियां (303 सीपीएसईज़)	₹ 26,54,439 करोड़
निवल धन (303 सीपीएसईज़)	₹ 9,74,437 करोड़

1.2 सरकारी कम्पनियों एवं निगमों में निवेश

2011-12 के अंत में 303 सरकारी कम्पनियों एवं निगमों में इक्विटी निवेश और कर्ज़ निम्नलिखित तालिका में दिए गए हैं। कुछ सरकारी कम्पनियों तथा निगमों ने भी इन सीपीएसईज में निवेश किया था। विवरण नीचे दिये गये हैं:

(₹ करोड़ में)

स्त्रोत	31 मार्च 2012 को			31 मार्च 2011 को		
	इक्विटी	दीर्घ कालीन कर्ज़े	जोड़	इक्विटी	दीर्घ कालीन कर्ज़े	जोड़
1.केन्द्रीय सरकार	204417	61410	265827	189995	60524	250519
2.केन्द्रीय सरकार की कम्पनियां/निगम	17467	30430	47897	16040	29002	45042
3.राज्य सरकारें/राज्य सरकार की कम्पनियां/निगम	16370	4802	21172	13944	5773	19717
4.वित्तीय संस्थाएं/अन्य	15265	530726	545991	14752	446684	461436
जोड़	253519	627368	880887	234731	541983	776714
कुल के प्रति केन्द्रीय सरकार की प्रतिशतता	80.63	9.79	30.18	80.94	11.17	32.25

भारत सरकार, राज्य सरकारों तथा केन्द्रीय/राज्य सरकारी कम्पनियों तथा निगमों द्वारा केन्द्रीय सरकारी कम्पनियों में धारित इक्विटी तथा दिए गए कर्ज़ों के मंत्रालय/विभाग वार विवरण **परिशिष्ट III** में दिए गए हैं।

1.2.1 इक्विटी निवेश

2011-12 के दौरान, इन सरकारी कम्पनियों तथा निगमों के इक्विटी में निवेश ₹ 18,788 करोड़ की निवल वृद्धि दर्ज हुई। भारत सरकार ने सीपीएसईज़ के इक्विटी में 2011-12 में ₹ 14,842 करोड़ निवेश किए।

भारत सरकार ने सीपीएसईज़ के इक्विटी में 2011-12 में ₹ 14,842 करोड़ निवेश किए।

सरकारी कम्पनियों एवं निगमों में इक्विटी निवेश

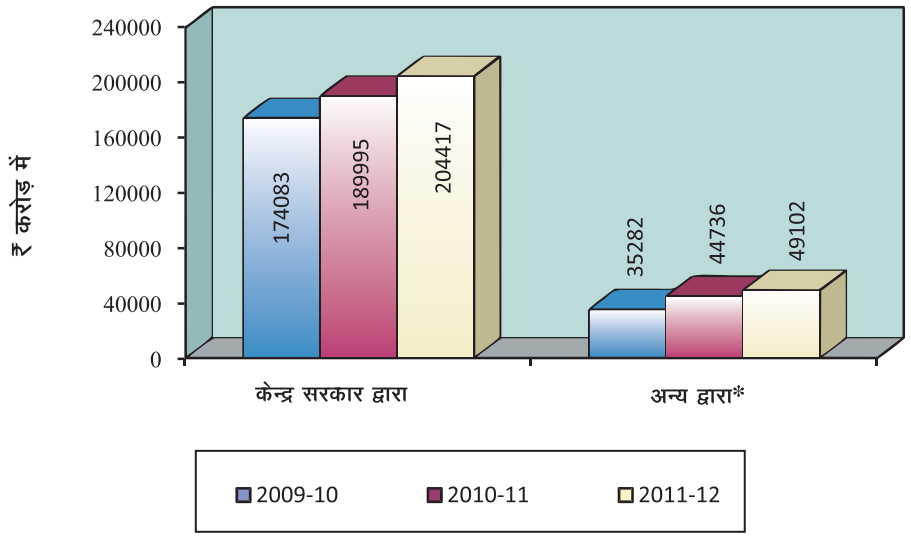

सीपीएसईज़ की प्रदत्त पूंजी में 2011-12 के दौरान केन्द्र सरकार द्वारा किए गए महत्वपूर्ण निवेश के ब्यौरे नीचे दिए गए हैं:

सीपीएसईज का नाम	मंत्रालय का नाम	राशि (₹ करोड़ में)
सांविधिक निगम		
नेशनल हाईवेज़ अथॉरिटी आफ इण्डिया	सड़क परिवहन एवं राजमार्ग	9,590
सरकारी कम्पनियां		
भारतीय नाभिकीय विद्युत निगम लिमिटेड	परमाणु ऊर्जा	875
दिल्ली मेट्रो रेल कार्पोरेशन लिमिटेड	शहरी विकास	759
बंगलोर मेट्रो रेल कारपोरेशन लिमिटेड	शहरी विकास	601
अन्य		3,017
जोड		**14,842**

❖ वर्ष 2011-12 के दौरान नेशनल बिल्डिंगस कन्स्ट्रक्शन कारपोरेशन लिमिटेड (एनबीसीसी) ने ₹ 30 करोड़ की राशि के पूर्णतः प्रदत्त बोनस शेयर जारी किए। भारत सरकार कम्पनी में इक्विटी के 100% धारक है। सरकार ने घरेलू बाजार में प्रारम्भिक सार्वजनिक प्रस्ताव (आईपीओ) के माध्यम से इसके धारण में से एनबीसीसी की कुल प्रदत्त इक्विटी के 10% के विनिवेश का अनुमोदन किया। इसके कारण स्टॉक एक्सचेन्ज में एनबीसीसी ने अपने शेयरों का सूचीकरण किया।

❖ वर्ष 2011-12 के दौरान, भारत सरकार ने विनिवेश पर ₹ 40,000 करोड़ की बजटीय प्राप्ति के प्रति ₹ 13,894.05 करोड़ की उगाही की। विनिवेश कार्यवाहियाँ निम्नलिखित दो सीपीएसईज के संबंध में इसके शेयरों के माइनोरिटी शेयर होल्डिंग की बिक्री से थीं।

सीपीएसईज का नाम	विनिवेशित शेयरों की प्रतिशतता	शेयरों का अंकित मूल्य (₹ करोड में)	सरकार द्वारा उगाही की गई राशि (₹ करोड में)
ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड	4.91	210.21	12,749.50
पावर फाइनेंस कारपोरेशन लिमिटेड (पीएफसी)	5.00	57.39	1,144.55
जोड			**13,894.05**

इसके अतिरिक्त ₹ 152.60 करोड़ अधिमान शेयरों के विमोचन के कारण प्राप्त हुए थे जैसा कि नीचे दिया गया है:

क्रम संख्या	सीपीएसई का नाम	राशि (₹ करोड में)
1	राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड	100.00
2	कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड	40.00
3	मेकॉन लिमिटेड	12.60
	जोड	**152.60**

1.2.2 सरकारी कम्पनियों और निगमों को दिए गए कर्ज़

2011-12 के दौरान सरकारी कम्पनियों और निगमों को दिए गए दीर्घकालीन कर्ज़ों ने ₹ 85,385 करोड़ की निवल वृद्धि दर्ज की।

सरकारी कम्पनियों और निगमों को दिए गए दीर्घकालीन कर्ज़

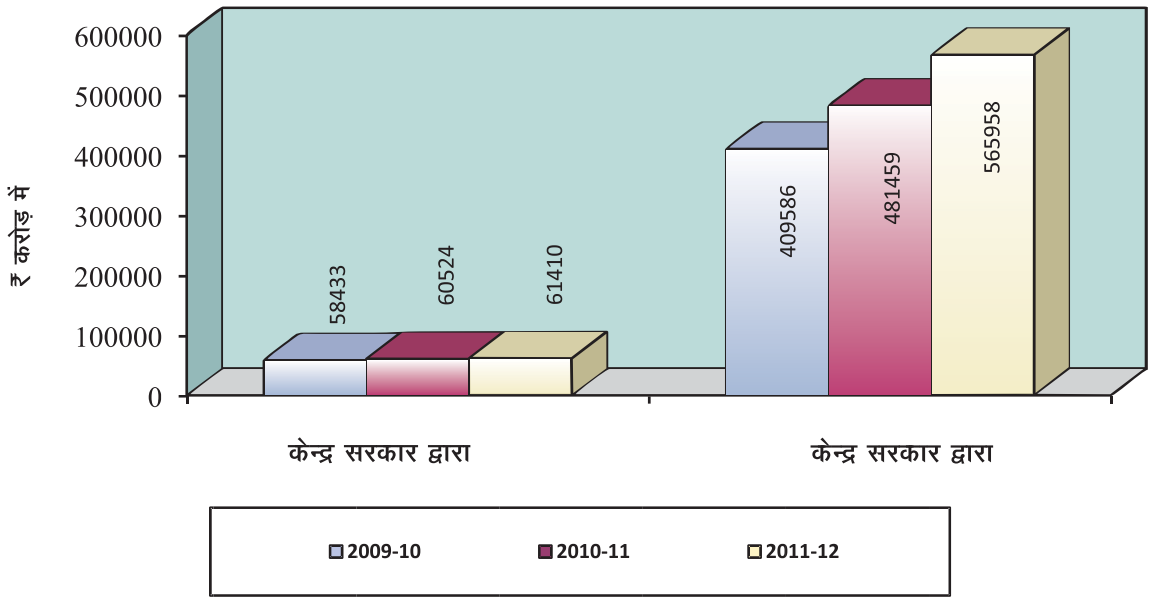

❖ 31 मार्च 2012 को सभी स्त्रोतों से 303 कम्पनियों/निगमों में बकाया कुल दीर्घकालीन कर्ज़े ₹ 6,27,368 करोड़ के थे। 2011-12 के दौरान उनके दीर्घकालीन कर्ज़ों के प्रति कुल परिसम्पत्तियों की धनात्मक तथा ऋणात्मक कवरेज का विश्लेषण निम्नलिखित तालिका में दिया गया हैः

	धनात्मक कवरेज				ऋणात्मक कवरेज			
	सीपीएसई की संख्या	दीर्घावधि कर्ज़	परिसम्पत्तियां	कर्जों के प्रति परिसम्पत्तियों की प्रतिशतता	सीपीएसई की संख्या	दीर्घावधि कर्ज़	परिसम्पत्तियां	कर्जों के प्रति परिसम्पत्तियों की प्रतिशतता
		₹ करोड़ मे				₹ करोड़ में		
सांविधिक निगम	4	39377	248393	630.81				
सूचीबद्ध कम्पनियां	32	359297	1233286	343.25	2	5405	676	12.51
असूचीबद्ध कम्पनिया	100	206661	589112	285.06	22	16627	1411	8.49
कुल	136	605335	2070791		24	22032	2087	

2 सूचीबद्ध कम्पनियों सहित 24 सीपीएसईज़ के उनकी कुल परिसम्पत्तियों की तुलना में अधिक कर्ज थे। वहाँ 143 सीपीएसई (2 सांविधिक निगम सहित) थीं जिनके ऊपर कोई दीर्घावधि कर्ज नहीं था।

❖ ब्याज कवरेज अनुपात का प्रयोग यह निर्धारित करने के लिए किया जाता है कि एक कम्पनी कितनी आसानी से बकाया ऋण पर ब्याज का भुगतान कर सकती है और इसकी गणना उसी अवधि के ब्याज के खर्चों को ब्याज एवं कर से पूर्व कम्पनी की आय (ईबीआईटी) से भाग करके की जाती है। जितना कम अनुपात होता है, उतना ही अधिक कम्पनी पर ऋण खर्च का भार होता है। 1 से नीचे ब्याज कवरेज अनुपात यह दर्शाता है कि ब्याज खर्च को पूरा करने के लिए कम्पनी पर्याप्त राजस्व का सृजन नहीं कर रही है। 2009-10 से 2011-12 की अवधि के लिए धनात्मक तथा ऋणात्मक ब्याज कवरेज अनुपात के विवरण का सार नीचे दिया गया हैः

वर्ष	ब्याज	कर और ब्याज से पूर्व आय (ईबीआईटी)	पीएसईज़♣ की संख्या	1 से अधिक ब्याज कवर अनुपात वाले पीएसईज़ की सं.	1 से कम ब्याज कवर अनुपात वाले सीपीएसइज़ की सं.
	₹ करोड़ में				
सांविधिक निगम					
2009-10	2844	4357	4	3	1
2010-11	3813	5033	4	2	2
2011-12	6143	6586	4	2	2
सूचीबद्ध सरकारी कम्पनियां					
2009-10	19292	118852	33	25	8
2010-11	24021	97756	32	26	6
2011-12	33098	98919	34	23	11
असूचीबद्ध सरकारी कम्पनियां					
2009-10	12422	33767	125	56	69
2010-11	14047	30246	129	56	73
2011-12	15441	29925	122	49	73

यह देखा गया था कि एक से अधिक ब्याज कवरेज अनुपात वाली सीपीएसईज़ की संख्या पिछले वर्ष की तुलना में 2011-12 के दौरान घट गया था।

1.2.3 मानी गई सरकारी कम्पनियों में निवेश

केन्द्रीय सरकार, राज्य सरकारों द्वारा तथा उनके द्वारा नियंत्रित कम्पनियों और निगमों द्वारा निवेशित पूंजी 119 मानी गई सरकारी कम्पनियों में निम्न प्रकार से थी।

मानी गई सरकारी कम्पनियों में शेयर पूंजी की रचना

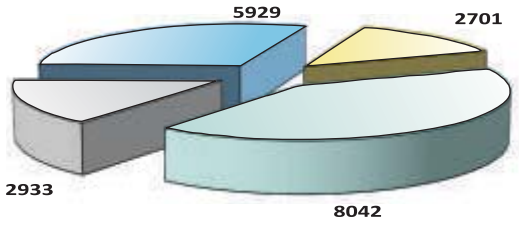

वित्तीय संस्थाएं एवं बैंक - ₹ 5929 करोड़

अन्य-₹ 2933 करोड़

केन्द्र सरकार, केन्द्र सरकारी कम्पनियां एवं निगम-₹ 8042 करोड़

राज्य सरकार, राज्य सरकार कम्पनियां एवं निगम-₹ 2701 करोड़

♣ *उन सीपीएसईज़ को छोड़कर जिनका ब्याज पर कोई राजस्व व्यय नहीं है।*

31 मार्च 2012 को 119 मानी गई सरकारी कम्पनियों में इक्विटी ₹ 19,605 करोड़ थी । भारत सरकार, राज्य सरकारों, कम्पनियों तथा निगमों द्वारा अंशदान के विवरण ***परिशिष्ट IV*** में दिए गए हैं। इन कम्पनियों में इक्विटी ₹ 2,345 करोड़ बढ़ गई अर्थात 2010-11 में ₹ 17260 करोड़ से बढ़ कर 2011-12 में ₹ 19,605 करोड़ हो गई।

1.2.4 सरकारी कम्पनियों में इक्विटी निवेश का बाज़ार पूंजीकरण

बाज़ार पूंजीकरण पब्लिकली ट्रेडेड कम्पनी के बकाया शेयरों के बाज़ार मूल्य के आकार का माप है। 56 सरकारी कम्पनियों के शेयर भारत के विभिन्न स्टॉक एक्सचेंजों में सूचीबद्ध किए गए थे जिनमें 45 सरकारी कम्पनियां, सरकारी कम्पनियों की 5 सहायक कम्पनियां और 6 मानी गई सरकारी कम्पनियां शामिल हैं।

❖ 45 सूचीबद्ध सरकारी कम्पनियों के संबंध में, 2011-12 के दौरान 40 कम्पनियों के शेयरों में ट्रेडिंग* हुई थी। 31 मार्च 2012 को उनके इक्विटी शेयरों का कुल बाज़ार मूल्य ₹ 12,40,923 करोड़ था, जिनमें से, 31 मार्च 2012 को भारत सरकार द्वारा धारित शेयरों का बाज़ार मूल्य ₹ 9,81,956 करोड़ था।

❖ 40 कम्पनियों में शेयरों का कुल बाज़ार मूल्य 31 मार्च 2011 की तुलना में 31 मार्च 2012 को ₹ 2,56,484 करोड़ (20.7 प्रतिशत) घट गया था। विवरण **परिशिष्ट V-क** में दर्शाए गए हैं। इस अवधि के दौरान, बीएसई सेंसेक्स 19,445,.22 (31.03.2011 को) से घटकर 17,404.20 (31.03.2012) हो गया, 10.5 प्रतिशत कम। सीपीएसई इंडेक्स 8,960.08 (31.03.2011 को) से घटकर 7,311.47 (31.03.2012 को) हो गया जो 18.4 प्रतिशत की कमी दर्शाता है।

❖ 31 मार्च 2012 को अधिकतम बाज़ार पूंजीकरण वाली 10 टॉप पीएसईज़ नीचे दर्शाई गई हैं:

क्र.सं.	पीएसई का नाम	बाज़ार पूंजीकरण (₹ करोड़ में)
1	ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कार्पोरेशन लिमिटेड	2,28,688
2	कोल इण्डिया लिमिटेड	2,16,714
3	एनटीपीसी लिमिटेड	1,34,154
4	एमएमटीसी लिमिटेड	78,345
5	नेशनल मिनरल डेवेलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड	63,872
6	इंडियन ऑयल कार्पोरेशन लिमिटेड	63,758
7	भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड	62,891
8	पॉवर ग्रिड कार्पोरेशन ऑफ इण्डिया लिमिटेड	49,955
9	गेल (इण्डिया) लिमिटेड	47,562
10	स्टील अथॉरिटी आफ इण्डिया लिमिटेड	38,848

4 सीपीएसईज़ में बाजार पूंजीकरण में वृद्धि हुई और अन्य 36 सीपीएसईज़ में कमी। बाज़ार पूंजीकरण में महत्वपूर्ण कमी वाले सीपीएसईज़ नीचे दिये गयें हैः

* *हिन्दुस्तान केबिल्स लिमिटेड, हिन्दुस्तान फोटोफिल्म्स (मैनुफैक्चरिंग) कम्पनी लिमिटेड, इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड, इण्डिया टूरिज़्म कार्पोरेशन लिमिटेड, केआईओसीएल लिमिटेड के शेयरों की 2011-12 में ट्रेंडिंग नहीं हुई थी।*

क्र. सं.	पीएसई का नाम	31/3/2011 को बाज़ार पूंजीकरण	31/3/2012 को बाज़ार पूंजीकरण	अंतर
1	नेशनल मिनरल डेवेलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड	112379.88	63871.57	-48508.31
2	भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड	100882.73	62891.08	-37991.65
3	स्टील अथॉरिटी ऑफ इण्डिया लिमिटेड	70113.55	38847.59	-31265.96
4	एनटीपीसी लिमिटेड	159137.46	134153.71	-24983.75
5	ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कार्पोरेशन लिमिटेड	248194.72	228688.21	-19506.51
6	इण्डिया ऑयल कार्पोरेशन लिमिटेड	81154.31	63758.03	-17396.28
7	एमएमटीसी लिमिटेड	92650.00	78345.00	-14305.00
8	गेल (इण्डिया) लिमिटेड	58984.20	47561.56	-11422.64
9	नेशनल एल्यूमूनियम कंपनी लिमिटेड	24651.28	14097.49	-10553.79
10	एनएचपीसी लिमिटेड	31182.38	24170.96	-7011.42

❖ **कीमत अर्जन (पीई)** कीमत अर्जन अनुपात (पीई) कम्पनी की प्रति शेयर आय (ईपीएस) की तुलना में कम्पनी का वर्तमान शेयर कीमत मूल्यांकन है। कम पीई वाली कम्पनियों की तुलना में अधिक पीई भविष्य में अधिक वृद्धि की उमीद को दर्शाता है। एमएमटीसी लिमिटेड (1107.84) का कीमत अर्जन अनुपात अधिकतम था।

❖ उन 4* सहायक सरकारी कम्पनियों, जिनके शेयरों की ट्रेडिंग 2011-12 के दौरान हुई थी, के शेयरों का कुल बाज़ार मूल्य 31 मार्च 2012 को ₹ 15,089.67 करोड़ था। 4 सहायक कम्पनियों में सरकार द्वारा धारित शेयरों का कुल बाज़ार मूल्य 31 मार्च 2011 की तुलना में 31 मार्च 2012 को ₹ 5.80 करोड़ बढ़ गया। विवरण **परिशिष्ट V -बी** में दर्शाए गए हैं।

1.3 सरकारी कम्पनियों और निगमों में निवेश पर प्रतिफल

303 सरकारी कम्पनियों और निगमों में 2009-10 से 2011-12 के दौरान लगाई गई निवल सम्पत्ति और पूंजी पर प्रतिफल **परिशिष्ट VI** में दर्शाया गया है। तीन वर्ष की अवधि के दौरान लाभ कमाने वाली सरकारी कम्पनियों और निगमों की संख्या 2009-10 में 177 (₹ 1,11,892 करोड़) से थोड़ा सा बढ़कर 2011-12 में 191 (₹ 1,27,021 करोड़) हो गई।

* *इस्टर्न इंवेस्टमेंट्स लिमिटेड के शेयर्स की 2011-12 के दौरान ट्रेडिंग नहीं की गई थी।*

लाभ कमाने वाले सांविधिक निगमों, सूचीबद्ध तथा असूचीबद्ध सरकारी कम्पनियों की संख्या

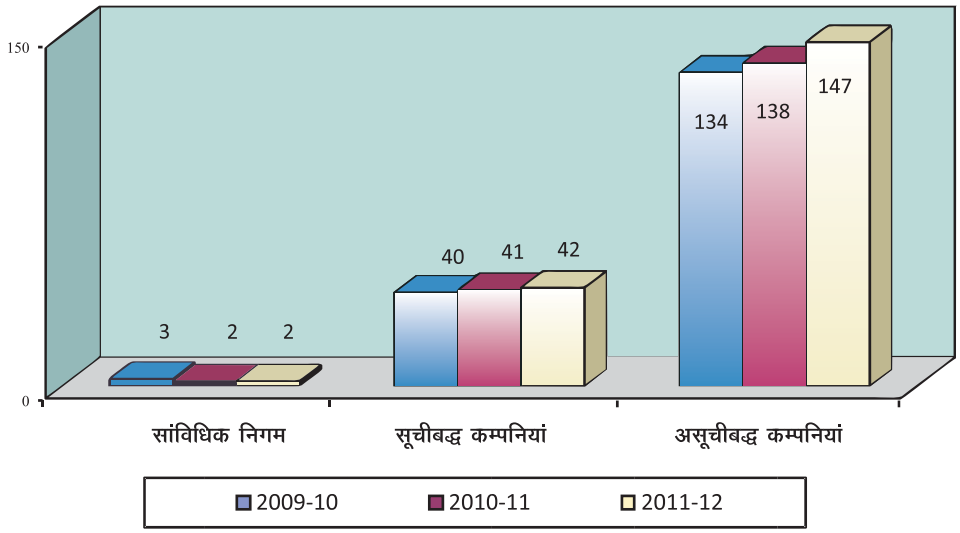

191 सीपीएसईज़ में से अधिक लाभ देने वाले उन क्षेत्रों, जिन्होंने ₹ 1,27,021 करोड़ का निवल लाभ कमाया, के विवरणों का सार नीचे दिया गया है:

क्षेत्र	लाभ कामने वाले सीपीएसईज़	अर्जित निवल लाभ (₹करोड़ में)	कुल सीपीएसई लाभ के प्रति लाभ की प्रतिशतता
1. पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस			
सूचीबद्ध सरकारी कम्पनियां	8	40159	31.62
असूचीबद्ध सरकारी कम्पनियां	5	2073	1.63
जोड़	13	42232	33.25
2. कोयला एवं लिग्नाईट			
सूचीबद्ध सरकारी कम्पनियां	2	9476	7.46
असूचीबद्ध सरकारी कम्पनियां	7	13681	10.77
जोड़	9	23157	18.23
3. विद्युत			
सूचीबद्ध सरकारी कम्पनियां	4	16320	12.85
असूचीबद्ध सरकारी कम्पनियां	18	3719	2.93
जोड़	22	20039	15.78
जोड़ (1) से (3)	**44**	**85428**	**67.26**

191 सीपीएसईज़ द्वारा अर्जित कुल लाभ में से 67 *प्रतिशत (₹ 85,428 करोड़) इन क्षेत्रों में 44 सरकारी कंपनियों एवं निगमों द्वारा दिया गया था ।*

2011-12 की टॉप दस लाभ कमाने वाली सीपीएसईज़ निम्नलिखित है:

क्रम सं.	कम्पनी का नाम	निवल लाभ
1	ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड	25,433
2	एनटीपीसी लिमिटेड	9,224
3	कोल इंडिया लिमिटेड	8,065
4	नेशनल मिनरल डेवेलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड	7,265
5	भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड	7,040
6	साउथ इस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड	4,099
7	इंडियन ऑयल कार्पोरेशन लिमिटेड	3,955
8	स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड	3,682
9	गेल (इण्डिया) लिमिटेड	3,654
10	ऑयल इण्डिया लिमिटेड	3,469

1.3. 1 सरकारी कम्पनियों और निगमों का लाभकारिता विश्लेषण

ब्याज और कर से पूर्व लाभ, लगाई गई पूंजी*, कर पश्चात लाभ, लाभांश, निवल सम्पत्ति, निवल सम्पत्ति के प्रति कर-पश्चात लाभ का अनुपात, लगाई गई पूंजी के प्रति ब्याज और कर से पूर्व लाभ का अनुपात तथा इक्विटी के प्रति लाभांश को दर्शाने वाली 303 सरकारी कम्पनियों और निगमों का लाभकारिता विश्लेषण **परिशिष्ट VI** में दिया गया है1

31 मार्च 2012 को समाप्त तीन वर्ष की अवधि के दौरान लगाई गई पूंजी के प्रति ब्याज और कर से पूर्व लाभ# तथा निवल सम्पत्ति के प्रति कर-पश्चात् लाभ का अनुपात ग्राफ में दिया गया है।

* *लगाई गई पूँजी का मतलब है निवल तय परिसंपत्ति और कार्यशील पूंजी। इसमे निवेश शामिल नहीं है। हालांकि विशेषकर वित्त और इंश्योरेंस कंपनियों द्वारा उपकरणों में पर्याप्त निवेश है जो परिभाषा से बाहर हैं।*

\# *ब्याज और कर से पूर्व लाभ (पीबीआईटी) में निवेश से प्राप्त आय शामिल है और अनुपात तद्नुसार निकाला गया।*

लगाई गई पूंजी के प्रति ब्याज और कर से पूर्व लाभ का अनुपात

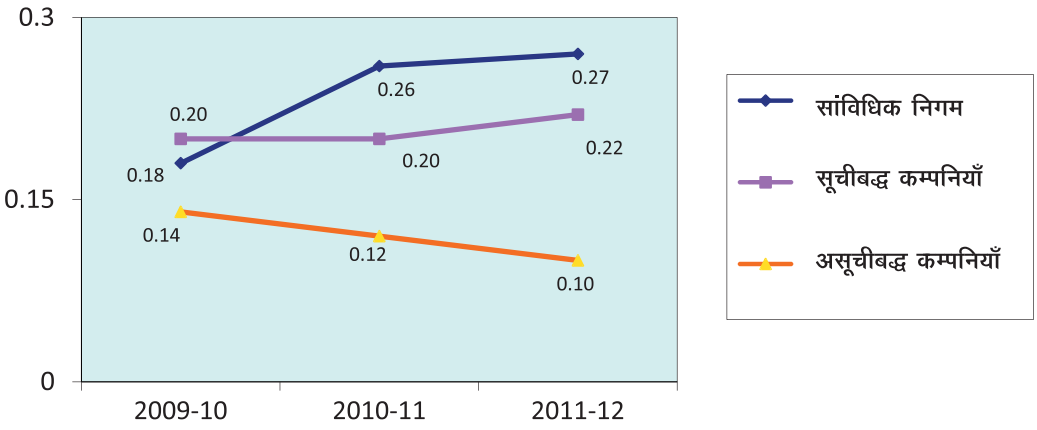

2009-10 की तुलना में सूचीबद्ध कम्पनियों और सांविधिक निगमों के मामले में लगाई गई पूंजी के प्रति ब्याज और कर से पूर्व लाभ के अनुपात में वृद्धि हुई थी, और असूचीबद्ध सरकारी कंपनियो के मामले में कमी।

निवल सम्पत्ति के प्रति कर पश्चात् लाभ का अनुपात

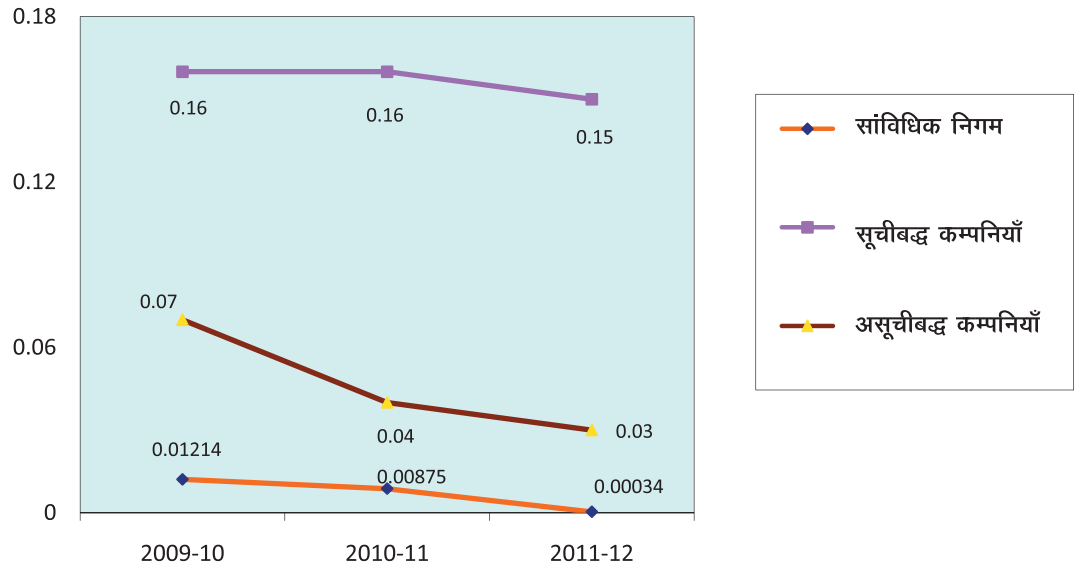

सांविधिक निगमों, सूचीबद्ध कंपनियों और असूचीबद्ध सरकारी के संबंध में निवल सम्पत्ति* के प्रति कर-पश्चात् लाभ के अनुपात में कमी थी।

---

* *निवल संपति का मतलब दिये गये पूंजी शेयर और मुक्त संचित निधि और अतिरिक्त कम संचित हानि और विलंबित राजस्व व्यय का कुल जोड़ है। मुक्त संचित निधि का मतलब है लाभ और शेयर प्रीमियम खाते से प्राप्त सभी निधियां लेकिन इसमें परिसंपत्ति के पुर्नमूल्यांकन और मूल्यह्रास प्रावधानों के प्रतिलेखन से बनाई गई निधियां शामिल नहीं हैं।*

1.3.2 सरकारी कम्पनियों और निगमों का लाभांश भुगतान

31 मार्च 2012 को समाप्त विगत तीन वर्षों के दौरान लाभांश की घोषणा करने वाली सरकारी कम्पनियों और निगमों की संख्या परिशिष्ट **VII** में दी गई है। लाभांश की घोषणा करने वाली सरकारी कम्पनियों और निगमों की संख्या 2011-12 में 112 (2 सांविधिक निगमों तथा 34 सूचीबद्ध सरकारी कम्पनियों सहित) थी इन कम्पनियों और निगमों द्वारा अर्जित निवल लाभ की प्रतिशतता के रूप में घोषित लाभ 2009-10 में 33.69 *प्रतिशत* से थोड़ा सा बढ़ कर 2011-12 में 35.46 *प्रतिशत* हो गया। कुल मिलाकर, कम्पनियों और निगमों द्वारा 2011-12 में घोषित लाभांश 2009-10 में ₹ 33677.57 करोड़ से ₹ 8993.50 करोड़ बढ़कर 2011-12 में ₹ 42671.07 करोड़ हो गया।

सीपीएसईज़ द्वारा घोषित लाभांश 2009-10 में ₹ 33677 से बढ़कर 2011-12 में ₹ 42671 करोड़ हो गया।

79 सरकारी कम्पनियों/निगमों ने 2011-12 में ₹ 6702 करोड़ का लाभ कमाया परन्तु लाभांश की घोषणा नहीं की।

भारत सरकार ने 2,04,417 करोड़ के निवेश पर 27644 करोड़ का लाभांश प्राप्त किया।

निवल लाभ और प्रदत्त पूंजी की तुलना में घोषित लाभांश

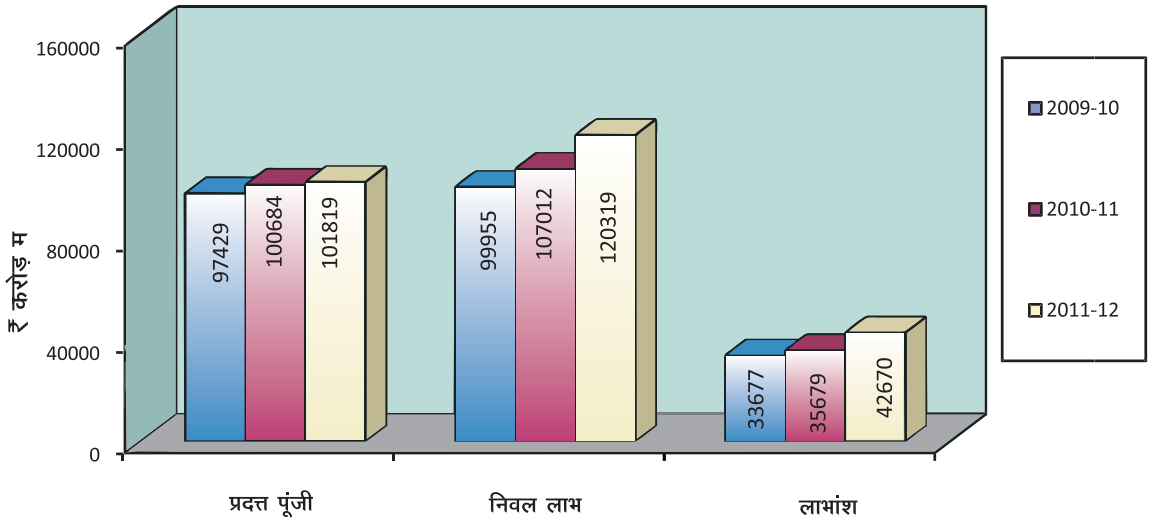

वर्ष 2011-12 के दौरान 191 सीपीएसईज़ में से जिन्होंने लाभ कमाया उनमें से, केवल 112 सीपीएसईज़ ने लाभांश की घोषणा की। 79 सीपीएसईज़ सहित 8 सूचीबद्ध कंपनियों जिन्होंने ₹ 6,702 करोड़ का लाभ कमाया था 2011-12 के दौरान लाभांश की घोषणा नहीं की, जिसका विवरण नीचे दिया गया है:

(₹ करोड में)

श्रेणी	कुल लाभ सीपीएसईज़ (सं.)	पीएसयूज़ जिन्होंने लाभ की घोषणा की				पीएसयूज़ जिन्होंने लाभ की घोणा की		
		सीपीएसईज	प्रदत्त पूंजी	निवल लाभ	घोषित लाभांश	सीपीएसईज	प्रदत्त पूंजी	निवल लाभ
सांविधिक निगम	2	2	724.58	959.47	199.09	--	--	--
सूचीबद्ध कम्पनी	42	34	59152.21	94593.68	31965.95	8	1578.34	557.16
असूचीबद्ध कम्पनियां	147	76	41943.06	24767.98	10506.03	71	31178.73	6145.33
जोड़	**191**	**112**	**101819.9**	**120321.13**	**42671.07**	**79**	**32757.07**	**6702.49**

- चालू वर्ष में 112 सरकारी कम्पनियों और निगमों द्वारा घोषित ₹ 42,671 करोड़ के कुल लाभांश में से, भारत सरकार द्वारा प्राप्य लाभांश ₹ 27644 करोड़* था। 303 सरकारी कम्पनियों और निगमों (6 सांविधिक निगमों, 50 सूचीबद्ध सरकारी कम्पनियों सहित) की इक्विटी पूंजी में भारत सरकार द्वारा किए गए ₹ 2,04,417 करोड़ के कुल निवेश पर प्रतिफल 13.52 प्रतिशत था। इसी प्रकार, 33 सरकारी कम्पनियों ने विभिन्न सरकारी कम्पनियों की इक्विटी में ₹ 6128 करोड़ के दी गई पूंजी पर लाभांश के रूप में ₹ 8,993 करोड़ प्राप्त किए।

- पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अधीन 11 सरकारी कम्पनियों ने ₹ 12,989 करोड़ का लाभांश घोषित किया जो 2011-12 में विभिन्न कम्पनियों द्वारा घोषित ₹ 42,671 करोड़ के कुल लाभांश का 30 प्रतिशत था।

- 1995 तथा 1996 में वित्त मंत्रालय द्वारा जारी दिशानिर्देशों में यह परिकल्पित था कि लाभ कमाने वाली सभी कम्पनियां, जो अनिवार्यतः वाणिज्यिक उद्यम थे, इक्विटी पर या कर-पश्चात् लाभ पर, जो भी अधिक हो, न्यूनतम 20 प्रतिशत लाभांश की घोषणा करेंगी। तेल, पेट्रोलियम, रसायन तथा अन्य आधारभूत क्षेत्रों में कम्पनियों द्वारा दिया जाने वाला न्यूनतम लाभांश कर-पश्चात् लाभ का 30 प्रतिशत था। तथापि, 43 कम्पनियों (7 सूचीबद्ध सरकारी कम्पनियों सहित तथा 79 सरकारी कम्पनियों और निगमों को छोड़कर, जिन्होंने लाभांश की घोषणा नहीं की थी)। ने लाभांश की घोषणा करते समय संबंधित सरकारी निदेश का पालन नहीं किया, जैसा कि ***परिशिष्ट VIII*** में दिया गया है। इस के कारण कुल कमी 2011-12 में ₹ 8,506 करोड़ थी।.
- मंत्रालय ने इस बात पर भी ज़ोर दिया था कि सरकार का उद्देश्य समूचे बोर्ड में सभी सरकारी कम्पनियों और निगमों मे समग्र निवेश पर न्यूनतम पांच प्रतिशत प्रतिफल प्राप्त करना था। सभी सरकारी कम्पनियों और निगमों की इक्विटी में भारत सरकार द्वारा किए गए ₹ 204417 करोड़ के कुल निवेश पर प्रतिफल ₹ 27644 करोड़ अर्थात 13.52 *प्रतिशत* था।

---

* ***भारत से द्वारा प्राप्त किया जाने वाला लाभांश सीधे केन्द्रीय सरकार के नियंत्रण वाली 86 कम्पनियों के संबंधित था। बची हुई 26 कम्पनियां अन्य सरकारी कम्पनीं की सहायक कम्पनियां थी और उनमें भारत सरकार का प्रत्यक्ष निवेश नहीं था।***

1.3.3 मानी गई सरकारी कम्पनियों मे निवेश पर प्रतिफल

2009-10 से 2011-12 वर्षों के लिए मानी गई सरकारी कम्पनियों मे निवेश पर प्रतिफल के विवरण ***परिशिष्ट IV*** में दिए गए हैं। 119 मानी गई सरकारी कम्पनियों में से, 77 कम्पनियों ने ₹ 4,032 करोड़ का लाभ कमाया। इन 77 कम्पनियों में से, 38 ने ₹ 717 करोड़ का लाभांश घोषित किया जो उनकी कुल प्रदत्त पूंजी का 9.49 प्रतिशत था। बत्तीस कम्पनियों ने 2011-12 के दौरान ₹ 510 करोड़ का घाटा उठाया। शेष दस कम्पनियों ने अभी तक वाणिज्यिक प्रचालन शुरू नहीं किए थे।

1.3.3.1 2011-12 के दौरान 38 मानी गई सरकारी कम्पनियों द्वारा घोषित ₹ 717 करोड़ का लाभांश विभिन्न क्षेत्रों से आया जैसा कि निम्नलिखित तालिका में दर्शाया गया है:

(₹ करोड़ में)

क्षेत्र	कम्पनियों की सं.	प्रदत्त पूंजी	निवल लाभ	लाभांश
वित्तीय सेवाएं	25	2712	1987	405
विद्युत	3	3782	1315	240
ठेका एवं निर्माण सेवाएं	1	250	84	25
परिवहन सेवाएं	1	164	36	41
इस्पात	1	603	29	0
औद्योगिक विकास एवं तकनीकी परामर्श	5	3	15	3
व्यापार एवं विपणन	1	41	13	2
खनिज एवं धातु	1	1	3	1
जोड़	**38**	**7556**	**3482**	**717**

1.4 घाटे वाली सीपीएसईज़

घाटा उठाने वाली सीपीएसईज़ संख्या 2009-10 में 91 सीपीएसईज़ से 2011-12 में 96 बढ़ गई। इस अवधि के दौरान इन सीपीएसई द्वारा उठाये गये घाटे में भी ₹ 16,221 करोड़ स`₹ 30,307 करोड़ की वृद्धि हुई जिसका नीचे दी गई तालिका में विवरण है:

सूचीबद्ध/असूचीबद्ध वर्ष	घाटे वाली सीपीएसईज़* की संख्या	निवल सम्पत्ति	वर्ष का निवल घाटा	संचित घाटा (₹ करोड़ में)
सूचीबद्ध सरकारी कम्पनियां				
2009-10	10	4333	-4734	18088
2010-11	9	-7193	-5082	22579
2011-12	8	-1246	-6893	27783
असूचीबद्ध सरकारी/कम्पनियों/निगम				
2009-10	81	71171	-11487	39449
2010-11	77	94677	-17605	45240
2011-12	88	93262	-23414	60636
जोड़				
2009-10	91	75504	-16221	57537
2010-11	86	87484	-22687	67819
2011-12	96	92016	-30307	88419

2011-12 में ₹ 500 करोड़ से अधिक की घाटा उठाने वाली सीपीएसईज़ की सूची निम्नलिखिते प्रकार हैं:

क्र.सं.	कम्पनी का नाम	2011-12 में निवल हानि (₹ करोड़ में)
1	भारत संचार निगम लिमिटेड	8851
2	महानगर टेलीफोन निगम लिमिटेड	4110
3	जनरल इंश्योरेंश कार्पोरेशन ऑफ इंडिया	2469
4	दामोदर वैली कार्पोरेशन	858
5	हिन्दुस्तान केबिल्स लिमिटेड	648
6	फर्टिलाइज़र्स कार्पोरेशन ऑफ इण्डिया लिमिटेड	553

* *फूड कार्पोरेशन ऑफ इण्डिया तथा इनलैंड वाटरवेज़ आथॉरिटी ऑफ इण्डिया, तथा नेशनल हाइवेज़ अथॉरिटी ऑफ इण्डिया जिनके घाटे की भारत सरकार द्वारा सब्सिडी/अनुदान के रूप में प्रतिपूर्ति की जाती है, इस तालिका में शामिल नहीं हैं।*

1.4.1 सरकारी कम्पनियों में पूंजी क्षरण

वर्ष 2011-12 के दौरान घाटा उठाने वाली 96 सीपीएसईज़ में से 84 ने ₹ 88,419 करोड़ का घाटा संचित किया। आगे 36 सीपीएसईज़ जिन्होंने वर्तमान वर्ष 2011-12 में घाटा नहीं उठाया ₹ 24,725 करोड़ का घाटा संचित किया था। इस प्रकार 31 मार्च 2012 को 120 सरकारी कम्पनियां और निगम (12 सूचीबद्ध सरकारी कम्पनियों सहित) थे जिनका संचित घाटा ₹ 1,13,145 करोड़ था।

❖ 60 सरकारी कम्पनियों (120 में से) की इक्विटी पूंजी और संचित निधि संचित घाटे द्वारा पूरी तरह क्षरित हो गई थी और निवल संपत्ति कम थी। इन 60 कंपनियों में निवल संपत्ति 31 मार्च 2012 को ₹ 13,004 करोड़ के इक्विटी निवेश के प्रति (-)₹ 70,946 करोड़ थी। इसमें 5 सूचीबद्ध कंपनियां शामिल है जिनकी निवल संपत्ति ₹ 861 करोड़ के इक्विटी निवेश के प्रति (-) ₹ 12,835 करोड़ थी। 60 कंपनियों में से, जिनकी पूंजी क्षरित हुई थी, 10 सीपीएसईज़ ने 2011-12 के दौरान ₹ 1,981 करोड़ का लाभ प्राप्त किया।

60 सीपीएसईज़ में से 32 जिनकी पूंजी क्षरित हुई थी, बकाया सरकारी ऋण की राशि 31 मार्च 2012 को ₹ 22,088 करोड़ थी। इसमें ₹3,668 करोड़ के बकाया सरकारी ऋण वाली 4 सूचीबद्ध कंपनियां शामिल हैं।

यदि किसी कम्पनी की निवल सम्पत्ति का 50 प्रतिशत संचित घाटे द्वारा क्षरित हो जाता है तो उसे सम्भावित रूग्ण कम्पनी माना जाता है। मार्च 2012 के अंत में 60 सीपीएसईज़ की निवल संपत्ति कम थी। 243 सीपीएसईज़ जिनकी निवल संपत्ति अधिक थी में से 15 सीपीएसईज़ की निवल संपत्ति 31 मार्च 2012 के अंत में ₹ 7,471 करोड़ की दी गई पूंजी के आधे से कम थी।

निम्नलिखित तालिका में 2011-12 के दौरान घाटा उठाने वाली सीपीएसईज़, जिनकी निवल सम्पत्ति का क्षरण 50 प्रतिशत से अधिक था, की सूची दी गई है।

क्र.सं.	कम्पनी का नाम	2011-12 के दौरान घाटा	31 मार्च 2012 को निवल सम्पत्ति	दी गई पूंजी	निवल धन के क्षरण की प्रतिशतता
		(₹ करोड़ में)			(प्रतिशत में)
1	एचएमटी लिमिटेड	82	536	1203	55.44
2	हिन्दुस्तान आर्गेनिक्स केमिकल्स लिमिटेड	78	14	337	95.85
3	टायर कोरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड	21	8	30	73.33
4	बीको लॉरी लिमिटेड	20	10	75	86.67
5	सेन्ट्रल इलेक्ट्रानिक्स लिमिटेड	16	8	55	85.45
6	सेन्ट्रल ऐनर्जी कार्पोरेशन ऑफ इंडिया	2	2	4	50

1.5 सरकारी कम्पनियों की प्रचालन दक्षता

1.5.1 उत्पादन का मूल्य

तीन वर्ष की अवधि के दौरान कुल परिसम्पत्ति तथा लगाई गई पूंजी के प्रति उत्पादन के मूल्य को दर्शाने वाला सार ग्राफ नीचे दिया गया है:

उत्पादन का मूल्य, परिसम्पत्तियाँ और नियोजित पूँजी

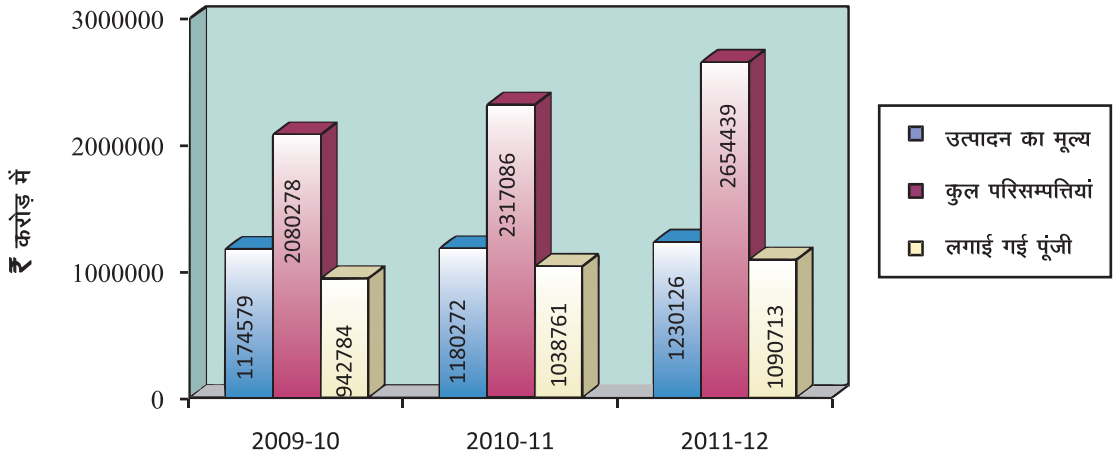

पिछले वर्ष की तुलना में वर्ष 2011-12 में नियोजित पूंजी और उत्पादन के मूल्य में थोड़ी सी वृद्धि हुई थी।

1.5.2 बिक्री एवं विपणन

2011-12 के दौरान 303 सीपीएसईज़ की कुल बिक्री ₹ 17,34,909 करोड़ थी। इनमें से 121 सीपीएसईज़ ने सरकारी विभागों को उनकी ₹ 10,14,540 करोड़ की निवल बिक्री के प्रति ₹ 299739 करोड़ मूल्य की बिक्री की/सेवाएं प्रदान की। सरकारी क्षेत्र को उनकी कुल निवल बिक्री के संदर्भ में इन 121 सीपीएसईज़ की बिक्री की समग्र प्रतिशतता 29.5 प्रतिशत परिकलित की गई।

65 सीपीएसईज़ ने अपनी ₹ 11,78,449 करोड़ की निवल बिक्री के प्रति ₹ 91985 करोड़ मूल्य का माल निर्यात किया अथवा विदेश में सेवाएं प्रदान की जो 7.8 प्रतिशत परिकलित की गई। ₹ 5000 करोड़ से अधिक निर्यात बिक्री वाली सीपीएसईज़ निम्नलिखित हैं।

क्र.सं.	सीपीएसई का नाम	निर्यात बिक्री (₹ करोड़ में)
1	भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड	24989
2	मंगलौर रिफाइनरी एण्ड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड	23418
3	इण्डियन ऑयल कार्पोरेशन लिमिटेड	19040
4	हिन्दुस्तान पैट्रोलियम कोर्पोरेशन लिमिटेड	6533
5	ऑयल एण्ड नैचुरल गैस कार्पोरेशन लिमिटेड	6311

1.5.3 अनुसंधान एवं विकास

निरन्तर वृद्धि के लिए विद्यमान उत्पादों को प्रौन्नत करने तथा नए उत्पाद, प्रक्रियाएं आदि विकसित करने के लिए प्रत्येक संगठन को अनुसंधान तथा विकास कार्य करने पड़ते हैं। 2011-12 के दौरान, 51 सीपीएसईज़ ने अनुसंधान और विकास पर ₹ 2,906 करोड़ लगाया। निम्नलिखित सीपीएसईज़ ने ₹ 100 करोड़ से अधिक का आर एंड डी व्यय किया:

क्र.सं.	सीपीएसई का नाम	कुल आर एंड डी व्यय (₹ करोड़ में)	निवल लाभ (₹ करोड़ में)
1	हिन्दुस्तान एरोनोटिकल्स लिमिटेड	968	2539
2	भारत इलैक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड	468	830
3	ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कार्पोरेशन लिमिटेड	330	25433
4	भारत हेवी इलैक्ट्रिकल्स लिमिटेड	320	7040
5	इण्डियन ऑयल कार्पोरेशन लिमिटेड	182	3955
6	स्टील अथोरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड	134	3682